दृष्टि The Vision

drishti

# GENERAL STUDIES (Test–4)

निर्धारित समय: तीन घंटे
*Time allowed: Three Hours*

DTVF/22 (O-A)–M–**GSM (P-III)-2304**

अधिकतम अंक: 250
*Maximum Marks: 250*

**Name:** रजनीश पटेल

**Mobile Number:** –

**Medium (English/Hindi):** Hindi

**Reg. Number:**

**Center & Date:** Mukherjee Nagar

**UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 0820286

## प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

*कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:*

इसमें बारह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

## QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

***Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:***

*There are **TWELVE** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
*All the questions are compulsory.*
*The number of marks carried by a question is indicated against it.*
*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*
*Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.*
*Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

| Question Number | Marks | Question Number | Marks |
|---|---|---|---|
| 1 (a) | | 5 (b) | |
| 1 (b) | | 6 (a) | |
| 2 (a) | | 6 (b) | |
| 2 (b) | | 7. | |
| 3 (a) | | 8. | |
| 3 (b) | | 9. | |
| 3 (c) | | 10. | |
| 4 (a) | | 11. | |
| 4 (b) | | 12. | |
| 5 (a) | | | |
| Grand Total ( सकल योग ) | | | |

मूल्यांकनकर्ता ( हस्ताक्षर )
*Evaluator (Signature)*

पुनरीक्षणकर्ता ( हस्ताक्षर )
*Reviewer (Signature)*

drishti | दृष्टि The Vision

# Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

## खंड - क/ SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) अभिरुचि क्या है? क्या आप मानते हैं कि यह रुचि, कौशल और बुद्धिमत्ता से भिन्न है? (150 शब्द) 10

What is aptitude? Do you think that it is different from interest, skill and intelligence? (150 Words) 10

अभिरुचि से आशय किसी क्षेत्र में किसी व्यक्ति विशेष के रुचि, कौशल और बुद्धिमत्ता के समुच्चय से है।

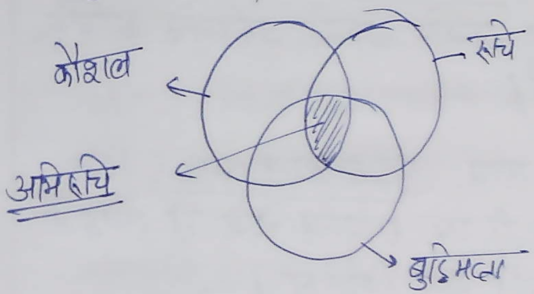


उदाहरण:- सचिन तेंदुलकर की अभिरुचि क्रिकेट में थी जिसने उन्हें महान खिलाड़ी बनने में सहयोग किया।

**अभिरुचि की विशेषताएं:**

⇒ अभिरुचि रुचि की तुलना में अधिक स्थायी और तीव्र होती है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उदाहरण :- किसी व्यक्ति की किताबों, फुटबाल, हॉकी, राजनीति सभी में रुचि हो सकती है किंतु अभिरुचि एक ही क्षेत्र में।

⇒ कौशल प्रायः सीखा जाता है जबकि अभिरुचि जन्मजात होती है।

↳ प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने राजनीतिक कौशल बाद में सीखा जबकि उनकी अभिरुचि आर्थिक विषय में थी।

⇒ बुद्धिमत्ता का प्रायः बुद्धिलब्धता स्तर (IQ) से लिया जाता है। यह सामान्य क्षेत्रों से संबद्ध है जबकि अभिरुचि क्षेत्र विशिष्ट।

↳ एक कमजोर IQ वाला व्यक्ति भी एक शानदार तबला वादक हो सकता है।

जीवन में अभिरुचि और अभिवृत्ति का सकारात्मक समन्वय व्यक्ति को व्यापक सफलता दिला सकता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) "आपकी अभिवृत्ति आपका कद निर्धारित करेगी, आपकी अभिरुचि नहीं"। आप इस उद्धरण से क्या समझते हैं? उदाहरण सहित अपने विचार स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

"It is an attitude, not aptitude, which determines one's altitude". What do you understand by the quotation? Explain your stand with illustrations. (150 Words) 10

अभिवृत्ति :- किसी मनोवैज्ञानिक विषय के संदर्भ में सकारात्मक अथवा नकारात्मक भाव, संज्ञान और व्यवहार के समुच्चय को अभिवृत्ति कहते हैं।

अभिरुचि :- किसी क्षेत्र विशेष में रुचि, कौशल एवं बुद्धिमत्ता का समुच्चय।

| अभिवृत्ति | अभिरुचि |
| --- | --- |
| → प्रायः अर्जित | → प्रायः जन्मजात |
| → मनोवैज्ञानिक विषय से संबद्ध | → क्षेत्र विशिष्ट |
| → मूल्य से गहराई से जुड़ी | → जरूरी नहीं कि मूल्य से जुड़ी ही हो। |

(कद निर्धारण में भूमिका)

⇒ कद का निर्धारण समाज द्वारा होता है और सामाजिक अन्तर्क्रिया में अभिवृत्ति ही महत्वपूर्ण।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उदाहरण :- आप किसी व्यक्ति से कैसे व्यवहार करते हैं यह प्राय: अभिवृत्ति द्वारा निर्धारित न कि अभिरुचि द्वारा।
→ श्रीशांत (क्रिकेटर) की अभिरुचि शानदार थी किंतु नकारात्मक अभिवृत्ति से सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं मिली।

⇒ अभिवृत्ति प्राय: मूल्यों द्वारा संचालित होती है। अत: यह आपके नैतिक स्तर को भी निर्धारित करती है।
→ महात्मा गांधी की प्रतिष्ठा में उनके सकारात्मक अभिवृत्ति का महत्व।

⇒ अभिवृत्तियों का निर्धारण सांस्कृतिक पक्ष द्वारा भी होता है अत: सांस्कृतिक रूप से जुड़े व्यक्ति को लाभ।

⇒ समूह संबंधन अभिवृत्ति का निर्धारक और सामाजिक अवस्थिति का भी। इसलिए कद में अभिवृत्ति का योगदान।
→ महेन्द्र सिंह धोनी का समूह संबंधन एवं कद दोनों अच्छा।

वस्तुत: सामाजिक जीवन के महत्वपूर्ण निर्धारक के रूप में अभिवृत्ति की भूमिका।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

2. (a) "आचार संहिता" एवं "नीति संहिता" के बीच क्या अंतर है? प्रत्येक के महत्त्व और प्रासंगिकता को स्पष्ट करने के लिये उदाहरण प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the distinction between a "code of conduct" and a "code of ethics"? Provide examples to illustrate the importance and relevance of each. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आचार संहिता जहाँ नैतिक सिद्धांतों के अनुकरण हेतु प्रस्तावित व्यवहारिक मानक हैं वहीं नैतिक संहिता आधारभूत नैतिक सिद्धांतों का समुच्चय है।

नीति संहिता :- ईमानदारी के मूल्य का पालन होना चाहिए।

आचरण संहिता :- सरकारी कर्मचारी किसी भी व्यक्ति से रिश्वत नहीं लेंगे।

(नीति संहिता का महत्व एवं प्रासंगिकता)

⇒ नीति संहिता नैतिक मानदंडों को निर्धारित करती है।
→ उदाहरण :- ईमानदारी, संवेदनशीलता जैसे मूल्य की आवश्यकता।

⇒ नीति संहिता के अभाव में लोक सेवक या आम जन नैतिक उत्तरदायित्व महसूस नहीं करेंगे।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ कोई लोकसेवक संवेदनहीन व्यवहार को यह कहकर पुष्ट करने का प्रयास करेगा कि उसे कहीं संवेदनशील होने को नहीं कहा गया।

⇒ नीति संहिता समाज को मानवीय गुणों एवं मूल्यों से जोड़कर एक व्यवस्था का निर्माण करती है।

—! आचरण संहिता का महत्व एवं उदाहरण :-

→ आचरण संहिता के अभाव में नैतिक मानदंड निष्प्रभावी।

→ उदाहरण :- यदि पुरस्कार लेने की सिविल सेवक को मनाही न हो तो इसी की आड़ में वह भ्रष्टाचार करता रहेगा।

→ आचरण संहिता व्यवहार पक्ष को नियंत्रित करती है जबकि नीति संहिता आंतरिक अथवा मानसिक पक्ष को।

→ उदाहरण :- करुणा से युक्त होना आंतरिक पक्ष वहीं सड़क पर घायल को अस्पताल पहुँचाना आचरण से संबंधित।

वस्तुतः इन दोनों के अभाव में सिविल सेवा में नैतिकता की अपेक्षा नहीं की जा सकती।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) अनामिकता और निष्पक्षता भारतीय लोक सेवा की मूलभूत विशेषताएँ हैं। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Anonymity and impartiality are the fundamental characteristics of the Indian Civil Service. Discuss. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संविधान निर्माताओं ने समर्पित लोकसेवा (Committed Bureaucracy) की जगह स्थायी एवं निष्पक्ष लोकसेवा का चुनाव किया अतः इनके अधिदेश के पालन हेतु इन्हें अनामिता और निष्पक्षता का पालन आवश्यक है।

—! भारतीय लोकसेवा में इनका महत्व :-

⇒ निष्पक्षता के अभाव में लोकसेवा राजनीतिक तटस्थता का अनुपालन नहीं कर सकेगी।

→ सभी लोकसेवकों को निष्पक्षता की शपथ दिलायी जाती है।

⇒ निष्पक्ष सिविल सेवक ही भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में दायित्वों का क्रियान्वयन कर सकता है।

→ दंगे जैसी स्थिति में पक्षपातपूर्ण व्यवहार स्थिति को गंभीर बना देगा।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⇒ निस्पक्षता लोकसेवा लोकसेवकों के आपसी विश्वास एवं टीम भावना को भी बढ़ाती है।

⇒ अनामिता के अभाव में लोकसेवा राजनीति, भावना अथवा प्रसिद्धि प्रेरणा से संचालित हो सकती है।

↳ भारत में पी. एन. हक्सर जैसे लोकसेवक अनामिता हेतु प्रसिद्ध।

⇒ भारतीय लोकसेवा के सर्वोच्च अधिकारी भी सामाजिक जीवन में प्रायः निष्क्रिय रहते हैं।

↳ उदाहरण :- NSA अजीत डोभाल

↳ प्रधानमंत्री के मुख्यसचिव पी. के. मिश्रा

⇒ अनामिता भारतीय लोकसेवकों को अपने जनकल्याणकारी उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करने में भी सहायक।

सोशल मीडिया के प्रचलन ने अनामिता जैसे मूल्यों को भारतीय लोकसेवा में कमजोर किया है। इस संदर्भ में आचार संहिता निर्माण की [illegible]



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What does each of the following quotations mean to you?

(a) "आप अकसर अपनी अभिवृत्ति को परिवर्तित करके अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं।" - एलेनोर रूजवैल्ट (150 शब्द) 10

"You can often change your circumstances by changing your attitude." — Eleanor Roosevelt (150 Words) 10

अभिवृत्ति से आशय किसी मनोवैज्ञानिक विषय के प्रति सकारात्मक अथवा नकारात्मक भाव की उपस्थिति से है। जैसे- परिश्रमी व्यक्ति की सकारात्मक अभिवृत्ति उसे सफलता में सहायक होती है।

⇒ अभिवृत्ति में परिवर्तन मनुष्य की आवश्यकता पूर्ति (want satisfaction) को भी परिवर्तित करता है।

↳ कबीरदास जब तक योग एवं ज्ञान के पीछे लगे थे तब तक उन्हें संतोष नहीं था जैसे ही भक्ति मार्ग अपनाया उन्हें परमानन्द की अनुभूति हुई।

⇒ अभिवृत्ति हमारी सामाजिक स्थिति (Social Status) को भी निर्धारित करती है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महात्मा गांधी जब तक व्यक्तिनिष्ठ थे तब तक उनको कोई नहीं जानता था जब उन्होंने समाज के लिए स्वयं को समर्पित किया। अभी स्थिति परिवर्तित होगयी।

⇒ अभिवृत्ति में परिवर्तन हमारे विश्वास अथवा संज्ञानात्मक पक्ष को भी प्रभावित करता है।

↳ विराट कोहली ने स्वीकार किया कि आध्यात्म के संदर्भ में उनकी अभिवृत्ति परिवर्तन ने जीवन में शांति एवं सुख में वृद्धि की।

⇒ अभिवृत्ति की संरचना में व्यवहारात्मक पक्ष भी शामिल होता है अत: अभिवृत्ति में परिवर्तन हमारे व्यवहार को भी नियंत्रित करती है।

→ सर सैय्यद अहमद खाँ की अंग्रेजों के प्रति अभिवृत्ति परिवर्तन ने उन्हें बाद में ब्रिटिश हुकूमत का पक्षधर बना दिया।

हालांकि अभिवृत्ति में परिवर्तन एक कारक है जो हमारी स्थिति का निर्धारण करता है इसके अतिरिक्त बाह्य परिवेश एवं भौतिक मानसिक स्थिति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।


Copyright – Drishti The Vision Foundation



(b) "ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा कमज़ोर और व्यर्थ है परंतु सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान खतरनाक एवं भयानक है" – सैमुअल जॉनसन (150 शब्द) 10

"Integrity without knowledge is weak and useless, and knowledge without integrity is dangerous and dreadful." Samuel Johnson. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ज्ञान एक साधन है। एक व्यक्ति इसको अपने परिश्रम, बुद्धिमत्ता, समर्पण आदि के द्वारा अर्जित करता है।

सत्यनिष्ठा से आशय मन, वचन और कर्म (मनसा वाचा कर्मणा) से किसी सिद्धांत के समर्थन से है।

इतिहास में ज्ञानी के रूप में रावण की भी ख्याति रही है किंतु सत्यनिष्ठा के अभाव में उसका ज्ञान खतरनाक एवं भयावह सिद्ध हुआ।

इसी प्रकार अलकायदा के प्रमुख लादेन का उदाहरण भी द्रष्टव्य है जिसने अपने कौशल एवं ज्ञान का नकारात्मक प्रयोग किया।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

(ज्ञान एवं सत्यनिष्ठा में सामंजस्य क्यों जरूरी?)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ ज्ञान के प्रयोग का मार्गदर्शन सत्यनिष्ठा द्वारा ही संभव।

→ सत्यनिष्ठा के पुजारी मंडेला ने अपने ज्ञान का उपयोग अश्वेतों के कल्याण हेतु किया।

→ ज्ञान एक मूल्यनिरपेक्ष साधन है अतः इसका दोधारी तलवार के रूप में प्रयोग संभव।

→ आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में उठ रहे विवाद से जोड़कर इसको समझा जा सकता है।

वस्तुतः सैमुअल जॉनसन का उपर्युक्त कथन महात्मा गांधी के साधन - साध्य की पवित्रता के सिद्धान्त की पुष्टि करता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation



(c) "मुझे केवल भावना की परवाह है - जब वह सही होगी, तो सब कुछ अपने आप सही हो जाएगा"। स्वामी विवेकानंद। (150 शब्द) 10

"I care only for the spirit – when that is right, everything will be righted by itself." Swami Vivekanand. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भावना को मनुष्य के अंतःकरण अथवा हृदय पक्ष के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है। विवेकानंद ने हृदय की पवित्रता को सबसे महत्वपूर्ण माना क्योंकि अंतःकरण एक ऐसी चेतना है जिसकी परस्पर दो विरोधी स्थितियाँ नहीं हो सकती है।

भावना का महत्व :-

1) भावना हमारी अभिवृत्ति को निर्धारित करती है यदि भावना पवित्र है तो अभिवृत्ति सकारात्मक होगी।

→ महात्मा गांधी के भक्ति भाव, तुलसीदास के भावनात्मक पक्ष ने उन्हें समाजोन्मुख बनाया।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

⇒ भावनाओं पर नियंत्रण ( भावनात्मक बुद्धिमत्ता ) हमारे व्यवहार को नियंत्रित करेगी।

↳ कोरोनाकाल में असम के एक IAS अधिकारी द्वारा भावनात्मक आवेश में आकर पुजारी को थप्पड़ मारने की सर्वत्र निंदा हुई।

⇒ भावों की पवित्रता हमें सहिष्णुता, करुणा, परोपकार, देशप्रेम जैसे सद्गुणों से जोड़ती है।

↳ राजस्थान काडर की IAS आरती डोगरा की समानुभूति ने वहाँ दिव्यांगों के कल्याण में मदद की।

अन्त में भावना की महत्ता से संबद्ध ये पंक्तियाँ स्वामी विवेकानंद के कथ्य को पुष्ट करती हैं -

" भरा नहीं है जो भावों से बहती जिसमें रसधार नहीं हृदय नहीं वह पत्थर है जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)




Copyright – Drishti The Vision Foundation



4. (a) कार्यस्थल में भावनात्मक बुद्धिमत्ता पारस्परिक संबंधों को कैसे प्रभावित करती है? समूह गत्यात्मकता, सहकार्यता और संघर्ष समाधान पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

How does emotional intelligence influence interpersonal relationships in the workplace? Discuss the impact of emotional intelligence on team dynamics, collaboration, and conflict resolution. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आशय

अपनी भावनाओं के साथ-साथ अन्य की भावनाओं को ठीक-ठीक समझने एवं उनको प्रबंधित करने की क्षमता से है। डेनियल गोलमैन जैसे मनोवैज्ञानिकों ने EQ को IQ से अधिक महत्वपूर्ण माना।

( कार्यस्थल पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व )

⇒ सहकर्मियों के साथ आपसी संबंधों को प्रगाढ़ किया जा सकता है।

↳ एक कंपनी द्वारा कर्मचारियों को दीवाली पर पारिवारिक संदेश आत्मीयता में वृद्धि करता है।




Copyright – Drishti The Vision Foundation

⇒ किसी कर्मी की गलती पर उसे डाँटने की बजाय उससे समानुभूतिपूर्वक (Empathetic) व्यवहार उसके मनोबल को मजबूत करता है।

⇒ भावनात्मक बुद्धिमत्ता टीम बॉन्डिंग में महत्वपूर्ण

↳ एक साथ किसी टूरिस्ट लोकेशन पर जाना।

⇒ मुश्किल स्थितियों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता हौसला एवं एकजुटता बनाए रखती है।

↳ कोरोनाकाल में जिन कंपनियों ने कर्मचारियों के साथ सहयोग किया उसने आगे चलकर उन्हें लाभान्वित किया।

वस्तुतः आज भावनात्मक बुद्धिमत्ता को न सिर्फ सफलता का निर्धारक बल्कि सामाजिक एवं पेशेवर संबंधों का भी नियंता माना जाने लगा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)


Copyright - Drishti The Vision Foundation



(b) अनैतिक व्यवहार को रोकने और हितधारकों के हितों की रक्षा करने में निगमित शासन (कॉर्पोरेट गवर्नेंस) महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संदर्भ में भारत में निगमित शासन के साथ नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये।

(150 शब्द) 10

Corporate governance plays an important role in preventing unethical behaviour and protecting the interests of stakeholders. In this context, discuss the ethical issues with corporate governance in India.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कार्पोरेट गवर्नेंस से आशय निगम द्वारा नियमों, कानूनों के अनुपालन एवं नैतिक मूल्यों को लागू करने से है।

उदाहरण— 2013 में कानून द्वारा CSR की अवधारणा कार्पोरेट गवर्नेंस का उदाहरण।

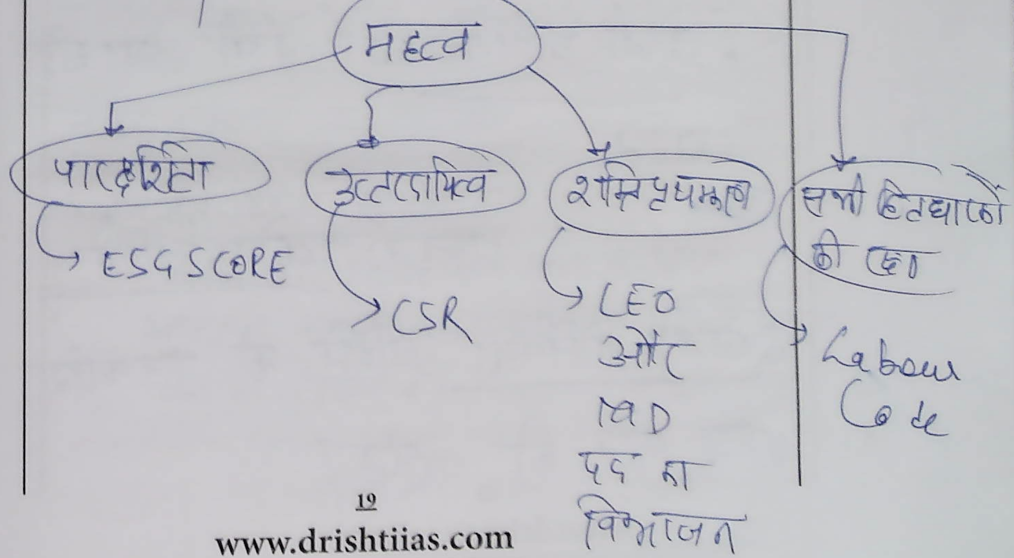



Copyright - Drishti The Vision Foundation

नैतिक मुद्दे

- कार्पोरेट प्रशासन में व्याप्त परिवारवाद।
- महिलाओं की सीमित भागीदारी।
- प्रबंधन में उच्चवर्ग की भूमिका।
- पर्यावरणीय मानदंडों का उल्लंघन।
- सामाजिक दायित्वों के प्रति कम स्वीकार्यता।
- फिलान्थ्रोफी जैसी संस्कृति का अभाव।
- क्रोनी कैपिटलिज्म जैसी प्रथा की व्याप्ति।

वस्तुतः कोटक समिति व जेटी श्रीनिवास समिति की सिफारिश लागू करने की जरूरत।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. (a) नैतिक दुविधा क्या है? सार्वजनिक संस्थानों में विभिन्न नैतिक चिंताओं और दुविधाओं पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

What is an ethical dilemma? Discuss various ethical concerns and dilemmas in public institutions. (150 Words) 10

नैतिक दुविधा से आशय परस्पर दो मूल्यों अथवा दो हितों की टकराहट की स्थिति में विकल्प चयन के संकट से है। उदाहरणार्थ:- किसी सरकारी कर्मचारी को अतिशय धनराशि का प्रस्ताव मिलने पर उसके स्व एवं सत्यनिष्ठा के बीच टकराव से नैतिक संकट उत्पन्न हो सकता है।

सार्वजनिक संस्थाओं में विभिन्न नैतिक दुविधाएँ एवं चिंताएँ

नैतिक दुविधाएँ ~~एवं चिंताएँ~~:-

⇒ स्वहित बनाम सत्यनिष्ठा।
  - कई बार गलत कार्य करने के लिए भ्रष्टाचार का दबाव सरकारी कर्मचारियों पर बनाया जाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)


Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ पर्यावरण संरक्षण बनाम विकास

↳ उदाहरण :- केन-बेतवा नदी एकीकरण में पन्ना टाइगर रिजर्व को नुकसान होने की उम्मीद है।

⇒ विकास बनाम अंतर्राष्ट्रीय नैतिकता

↳ उदाहरण :- भारत के ऊपर कोयले को फेजडाउन करने का संकट।

⇒ नियम बनाम विवेक

↳ उदाहरण :- महाराष्ट्र के IAS मोहंती ने नियमों से परे जाकर दो S.C. लड़कों को प्रमाणपत्र जारी करने में सहायता की क्योंकि वे योग्य थे।

**नैतिक चिंताएं**

- भ्रष्टाचार की व्याप्ति
  - → करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में निम्न स्थान
- चयन में पारदर्शिता का अभाव
  - ↳ उदा. → कोलेजियम
- दक्ष कार्यप्रणाली का अभाव
- कार्य संस्कृति का निम्न स्तर

वस्तुतः इसके लिए सभी संस्थाओं को 2nd ARC की अनुशंसाओं को लागू करना चाहिए।


Copyright – Drishti The Vision Foundation



(b) निम्नलिखित पर 30-30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये: (150 शब्द) 10

Write short notes on the following in 30 words each: (150 Words) 10

(i) नैतिक प्रशासन / Ethical Governance

(ii) वस्तुनिष्ठता और निष्ठा / Objectivity and dedication

(iii) निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियाँ / Ethical perversions of private sector

(iv) सहानुभूति और करुणा / Empathy and compassion

(v) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 / RTI Act, 2005

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(i) नैतिक प्रशासन से आशय लोकसेवा में अपेक्षित मूल्यों, जैसे- सत्यनिष्ठा, सेवाभावना, संवेदनशीलता, जवाबदेहिता आदि, के अनुपालन से है। हाल ही में IPS अधिकारी अनुकृति शर्मा द्वारा विधवा महिला को बिजली कनेक्शन पहुँचाना नैतिक प्रशासन का उदाहरण।

(ii)

| वस्तुनिष्ठता | निष्ठा |
| --- | --- |
| → किसी स्थिति का मूल्यांकन तथ्यों के आधार पर तार्किक तरीके से करना। ↳ उदाहरण :- एक पुलिस अधिकारी द्वारा एक केस की वस्तुनिष्ठ जाँच। | ↳ यह किसी व्यक्ति के भावनात्मक आग्रह को प्रदर्शित करता है पर पूर्णतः व्यक्तिनिष्ठ होता है। ↳ किसी की निष्ठा राष्ट्र के प्रति तो किसी की धर्म के प्रति |


Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

iii) निजी क्षेत्र की नैतिक विसंगतियाँ

→ लाभ को केंद्रीय महत्व
↳ हाल ही में सुजुकी कार कंपनी की कई गाड़ियाँ सुरक्षा मानदंडों पर असफल रहीं।

→ पर्यावरणीय हितों की अवहेलना।

→ लैंगिक समानता का अभाव।

→ कर्मचारियों से भावनात्मक जुड़ाव नहीं।

iv) सहानुभूति :- दूसरे की मनः स्थिति को स्वयं के स्तर पर महसूस करना।
↳ उदाहरण :- राजस्थान की दिव्यांग IAS अधिकारी द्वारा दिव्यांगों हेतु विशेष अभियान चलाना।

करुणा :- कमजोर वर्ग के प्रति सामान्यतः सकारात्मक मनः स्थिति।
↳ उदाहरण :- गरीब एवं संवेदनशील समुदाय का सहयोग करना।

v) RTI अधिनियम 2005
↳ सूचना का कानूनी अधिकार दिया।
↳ सूचना आयुक्त के पद का सृजन।
→ पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता में वृद्धि हुई।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

6. (a) शासन व्यवस्था में ईमानदारी से क्या आशय है? शासन व्यवस्था में ईमानदारी का उद्देश्य और महत्त्व क्या है? क्या शासन व्यवस्था में ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिये कोई उपाय हैं? (150 शब्द) 10

What is probity in governance? What is the purpose and importance of probity in governance? Are there any measures to ensure probity in governance? (150 Words) 10

शासन व्यवस्था में ईमानदारी से आशय लोक वित्त के समुचित प्रयोग एवं सत्यनिष्ठा के आचरण का अनुपालन करने से है। अशोक खेमका जैसे अधिकारी शासन में ईमानदारी के लिए प्रसिद्ध हैं।

ईमानदारी का उद्देश्य एवं महत्व

⇒ भ्रष्टाचार पर नियंत्रण स्थापित होता है
↳ ईमानदार प्रशासक 'न खाता है न खाने देता' है।

⇒ पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता में वृद्धि होती है।

⇒ लोक सेवा के प्रति आमजन में विश्वास मजबूत होता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⇒ नैतिक शासन की स्थापना होती है।

(शासन व्यवस्था में ईमानदारी सुनिश्चित करने के उपाय)

⇒ नैतिक संहिता एवं नैतिक आचरण संहिता का विकास एवं क्रियान्वयन।
↳ इनके अद्यतनीकरण हेतु 2nd ARC ने सिफारिश की है।

⇒ कठोर कानून का निर्माण
↳ भ्रष्टाचार निरोधक कानून।
↳ CVC की स्थापना।

⇒ व्हिसिलब्लोअर को सुरक्षा।

⇒ नैतिक मूल्यों का स्कूल के स्तर से ही विकास।

⇒ चयन एवं प्रशिक्षण में नैतिक पहलुओं पर बल दिया जाए।

इसके साथ-साथ सत्यनिष्ठा संधि जैसे नवाचारी प्रयास भी कारगर सिद्ध हो सकते हैं।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation



(b) लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का क्या महत्त्व है? तार्किक समर्थन के साथ अपने विचार प्रस्तुत कीजिये।
(150 शब्द) 10

What is the significance of Emotional Intelligence in Civil Servants? Share your viewpoint and provide supporting arguments.
(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आशय स्वयं व दूसरों की भावना के स्पष्ट प्रकटीकरण एवं कुशल प्रबंधन की क्षमता से है। उदाहरण:- गुस्सायी हुई प्रवासी मजदूरों की भीड़ को शांत करने के लिए आई. पी. एस. अधिकारी ने उन्हें उन्हीं की भाषा में संबोधित किया।

(भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व)

⇒ लोकसेवक एवं आमजनता के बीच खाई को भरने में।
↳ उत्तर प्रदेश पुलिस का मिशन शक्ति कार्यक्रम।

⇒ संकट के समय विवेकशील निर्णय लेने में।
↳ उदाहरण :- खुफिया अधिकारी द्वारा पकड़े जाने पर स्थानीय भाषा में बातचीत।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

⇒ कार्य संस्कृति में सुधार करने में भी भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व।

↳ IAS परमेश्वरन अय्यर ने अपने कार्यालय की नेम प्लेट से IAS हटवा दिया।

⇒ नैतिक प्रशासन की स्थापना में भी भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व है।

↳ दिल्ली के कुख्यात G.B. रोड पुलिस चौकी की महिला अधिकारी द्वारा स्थानीय बच्चों हेतु चौकी में ही पाठशाला की शुरुआत।

वस्तुतः भावनात्मक बुद्धिमत्ता आज की कल्याणोन्मुख लोक सेवा का सबसे महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

## खंड - ख / SECTION - B

7. आपको उस राज्य के एक जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है जहाँ हाल ही में एक अवैध खनन माफिया द्वारा एक डी.एस.पी. की हत्या कर दी गई थी। आपको सूचना मिली है कि अरावली की पहाड़ियों में कुछ लोगों द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि उस क्षेत्र में अवैध खनन के अधिकतर मामले कभी भी न्यायालय या पुलिस तक नहीं पहुँचते हैं क्योंकि माफिया के रूप में कोई और नहीं बल्कि स्थानीय विधायक शामिल है।

एक तथ्य यह है कि अधिकांश खनिज भंडार जिले के एक बड़े भाग में स्थित अरावली पर्वतमाला के आसपास केंद्रित हैं। खनन गतिविधि को तत्काल रोकने से वहाँ कार्यरत मजदूरों के जीवन पर भी असर पड़ेगा। जबकि खनन का पर्यावरणीय प्रभाव भी एक चिंता का विषय है। एक युवा और ऊर्जावान नौकरशाह होने के नाते, आप सकारात्मक बदलाव लाने के लिये उत्साहित हैं, अपितु फिर भी आपको अपने अधीनस्थों द्वारा चेतावनी दी जाती है, जो विभिन्न चुनौतियों से गुजरे हैं। (250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त स्थिति में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये

(b) आपके समक्ष कौन सी नैतिक दुविधाएँ हैं?

(c) इस स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

You have recently been posted as the Superintendent of Police of a district in a state where a DSP was killed recently by an illegal mining mafia. You have received information that illegal mining was being done by some people in the area in the Aravalli hills. The surprising thing is that most of the cases of illegal mining in this area never reach the court or the police as the politician who was involved in the mafia was no one else but the local MLA.

It has been found that most mineral deposits are concentrated all along the Aravali range that runs through large parts of the district. An immediate shutdown of the mining activity will also impact the lives of the labourers employed there. The environmental impact of mining is also a major concern. Being a young and energetic bureaucrat, you are passionate about bringing positive changes but at the same time being cautioned by your subordinates who have witnessed various challenges from the threat. (250 Words) 20

(a) Identify the stakeholders involved in the above situation

(b) What are the ethical dilemmas being faced by you?

(c) What step will you take in this situation?

उपर्युक्त केस स्टडी में अवैध खनन की चुनौती राजनीति के अपराधीकरण के चलते अधिक जटिल हो गयी है। पिछले कुछ समय में अपराध के राजनीतिकरण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

और राजनीति के अपराधीकरण से माफियाओं के मनोबल में हुई वृद्धि ने कई अधिकारियों की जान ले ली है।

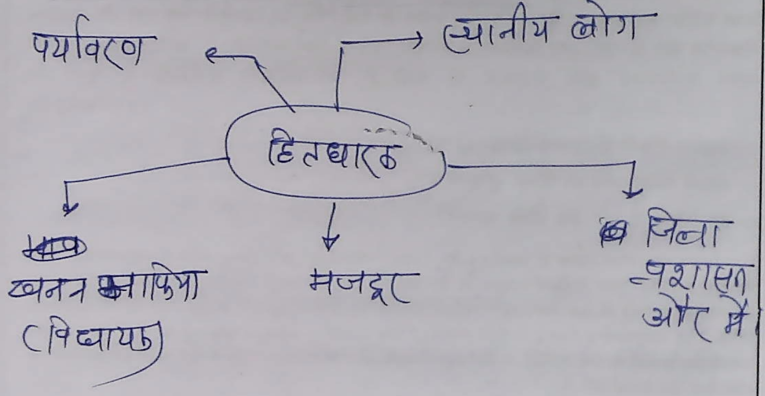


**नैतिक दुविधाएँ**

→ अवैध खनन को रोकने की चुनौती साथ ही साथ मजदूरों की आजीविका न प्रभावित हो यह सुनिश्चित करने की भी चुनौती है।

→ खनन माफिया के विरुद्ध कार्यवाही

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सुनिश्चित करवाने के साथ-साथ अपनी एवं अपने सहकर्मियों की सुरक्षा न प्रभावित हो यह भी सुनिश्चित करना है।

⇒ चूँकि माफिया स्थानीय विधायक है अतः कार्यवाही हेतु सरकार/राजनीतिक कार्यपालिका का अनुनयन करने की चुनौती है।

⇒ पर्यावरण एवं विकास के बीच एक साम्य स्थापित करने की चुनौती है।

इस स्थिति में मैं अधोलिखित कदम उठाऊंगा :-

1) सबसे पहले मैं पर्याप्त बल के साथ खनन स्थान पर पहुँचकर अवैध खनन रोकूंगा और साक्ष्य आदि इकट्ठा कर मुकदमा पंजीकृत करवाऊंगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2) मजदूरों की जब तक आजीविका कहीं अन्यत्र सुनिश्चित नहीं होती तब तक जिला खनिज निधि से उन्हें सहायता दिलवाने का प्रयास करेगा।

3) इस गतिविधि से पर्यावरण एवं स्थानीय समुदाय को होने वाले नुकसान की जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देगा। इससे विधायक का समर्थन कमजोर होगा।

4) खनन गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन हेतु अधियाचना प्रशासन को प्रस्तुत करेगा।

5) इस प्रक्रिया में संलग्न लोगों की पुलिस में शिकायत



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation



उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपर्युक्त गतिविधियों द्वारा इस स्थिति को नियंत्रित कर न्यायपूर्ण कार्यवाही की जा सकती है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. पुलिस अधीक्षक के रूप में आप एक ऐसे जिले में नियुक्त हुए हैं जो गंभीर नागरिक अशांति और कानून-व्यवस्था की समस्याओं से ग्रस्त है। राजनीतिक नेताओं की कई अपीलों के बावजूद स्थिति में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। दंगाई हथियारों और गोला-बारूद तक पहुँच हासिल कर पास के एक सैन्य शिविर को लूटने में कामयाब रहे। इससे विभिन्न समुदायों के बीच संघर्ष बढ़ गया है, जिसके परिणामस्वरूप लगातार गोलीबारी हो रही है। इस अराजकता के बीच, आपको एक शरणार्थी शिविर के एक अधिकारी से आधी रात को एक व्यथित करने वाला फोन आता है। उन्होंने आपको बताया कि शिविर में एक 7 वर्षीय बच्चे को पीठ में गोली मार दी गई है, जिससे पता चलता है कि दंगाइयों ने अन्य समुदायों के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिये पुलिस को निशाना बनाया था। अधिकारी घायल बच्चे को निकटतम अस्पताल तक ले जाने में आपकी सहायता का अनुरोध करता है। आप जल्दी से एक एम्बुलेंस की व्यवस्था करते हैं और शिविर की ओर चल पड़ते हैं।

हालाँकि, जब आप अपने मार्ग में जा रहे होते हैं तो आपको अपने एक अधीनस्थ से यह संदेश प्राप्त होता है, जो आपको फर्जी खबरों के प्रसार के प्रति सचेत करता है। इस गलत सूचना के अनुसार, यह झूठा दावा किया जा रहा है कि राज्य के अधिकारी एक विशेष समुदाय को अधिमान्य उपचार प्रदान करने के लिये एम्बुलेंस का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस स्थिति में आपके पास विभिन्न दृष्टिकोण क्या हैं? आपकी कार्यवाही का तरीका क्या होगा? आप यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनी रहे? (250 शब्द) 20

You, as the Superintendent of Police, find yourself in a district plagued by severe civil unrest and law-and-order issues. Despite numerous appeals from political leaders, the situation shows no signs of improvement. The rioters have managed to loot a nearby army camp, gaining access to weapons and ammunition. This has escalated the conflict between different communities, resulting in constant gunfire exchanges. In the midst of this chaos, you receive a distressing midnight call from an officer at a refugee camp. He informs you that a 7-year-old child has been shot in the back at the camp, revealing that the rioters targeted the police for providing protection to people from other communities. The officer at the camp requests your assistance in escorting the injured child to the nearest hospital. You quickly arrange for an ambulance and make your way to the camp.

However, while enroute, you receive a message from one of your subordinates, alerting you of the spread of fake news. According to this misinformation, it is being falsely claimed that state officials are misusing the ambulance to offer preferential treatment to a particular community. In this situation what are the different approaches available to you? What will be your course of action? How will you ensure that law and order situation is maintained? (250 Words) 20

मणिपुर राज्य में व्याप्त हिंसात्मक गतिविधियों के मूल में भी ऊपर वर्णित केस स्टडी जैसी स्थितियाँ ही हैं। सामुदायिक



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अविश्वास, नृजातीय संघर्ष ने इस चुनौती को तीव्र किया है।

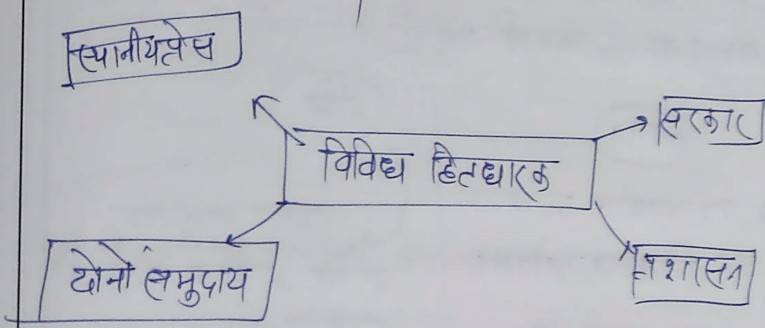


विभिन्न दृष्टिकोण

पहला विकल्प :- मैं उस बच्चे के लिए भेजी गई एंबुलेंस वापस बुला लूँ।

| लाभ | हानि |
| --- | --- |
| मेरी (प्रशासन) की तटस्थता पर संकट नहीं आएगा | ⇒ बच्चे की मृत्यु हो सकती है। ⇒ शरणार्थी समुदाय में आक्रोश बढ़ेगा। |



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दूसरा विकल्प :-

भ्रामक सूचनाओं की परवाह किए बिना मैं बच्चे की सहायतार्थ पहुँचूं।

लाभ
→ प्रशासनीय दायित्व का निर्वहन होगा।
→ शरणार्थियों में सरकारी विश्वास बढ़ेगा।

हानि
→ दूसरा समुदाय इससे अधिक उग्र हो सकता है।
→ हिंसा में वृद्धि हो सकती है।

तीसरा विकल्प

भ्रामक सूचनाओं पर कानूनी कार्यवाही एवं तथ्यात्मक स्पष्टता रखते हुए पीड़ित को यथासंभव मदद पहुँचाना।

लाभ
→ भ्रामक खबरों का प्रभाव नहीं होगा।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



⇒ शरणार्थी बच्चे को भी मदद मिलेगी।
⇒ उग्र एवं शांतिविरोधी तत्वों पर कार्यवाही भी होगी।

मेरा तरीका

→ मैं तीसरे विकल्प का चयन करूंगा।

(कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु)
→ आवश्यकता पड़ने पर इंटरनेट सेवा प्रतिबंधित करना ताकि भ्रामक खबरें प्रसारित न हों।
→ समाज विरोधी तत्वों की धर पकड़ तेज करना।
→ विश्वास बहाली हेतु फ्लैग मार्च
→ आपात सहायता नंबर एवं एक 24×7 कंट्रोल रूम की स्थापना


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उपर्युक्त कार्यवाहियों द्वारा
धीरे-धीरे कानून व्यवस्था को नियंत्रण
में लाया जा सकता है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

9. रोहन 12वीं कक्षा का नवोत्तीर्ण छात्र है। अपनी अंतिम बोर्ड परीक्षा के दौरान उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उसके खराब स्वास्थ्य तथा पारिवारिक समस्याओं ने उसकी तैयारी में बाधा उत्पन्न की। वह विद्यालय की कई महत्त्वपूर्ण कक्षाओं में अनुपस्थित रहा। उसके सबसे अच्छे दोस्त रमन ने उसे बोर्ड परीक्षा के दौरान अमूल्य सहायता प्रदान की। रोहन को अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद करने के लिये रमन ने अपने निजी नोट्स भी साझा किये। रोहन के माता-पिता उसके दोस्त के समर्पण तथा सहायता के लिये आभारी थे, उन्होंने रोहन को सफल होने में सहायता करने के लिये किये गए प्रयास को मान्यता दी। हालाँकि बोर्ड परीक्षा में अच्छे ग्रेड प्राप्त करने के बाद भी CUET परीक्षा एक बड़ी बाधा थी। CUET में प्राप्त अंक यह निर्धारित करेंगे कि रोहन किस कॉलेज व पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। रोहन BCA की पढ़ाई करना चाहता था तथा जानता था कि एक प्रतिष्ठित कॉलेज में प्रवेश के लिये उसे विशिष्ट अंकों की आवश्यकता है। हाल ही में, रोहन को पता चला कि रमन ने एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिये EWS (आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग) प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। सच तो यह था कि उसका सबसे अच्छा दोस्त वास्तव में EWS श्रेणी के लिये योग्य नहीं था। इस सच से रोहन काफी परेशान हो गया। जब उसने रमन से स्थिति के बारे में पूछा, तो उसके दोस्त ने कड़ी प्रतिस्पर्द्धा व लाभ की आवश्यकता पर ज़ोर देकर उसके कार्यों को उचित ठहराया। रमन ने रोहन को भी EWS प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिये मनाने की कोशिश की।

(250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त स्थिति में शामिल नैतिक संशय/दुविधा पर चर्चा कीजिये?

(b) उपरोक्त सभी विकल्पों का मूल्यांकन कीजिये?

(c) आप कौन-से विकल्प का चयन करेंगे और क्यों?

Rohan is a newly passed out class 12th student. During his final board examination, he faced several challenges. His poor health and family issues hampered his preparation. He missed several of the important classes in school. His best friend, Raman, provided him with invaluable support during the Board examination. Raman even shared his personal notes to help Rohan achieve a good score. Rohan's parents were grateful for his friend's dedication and assistance, recognizing the effort he put in to help Rohan succeed. However, there was one major obstacle even after getting good grades in the Board examination—the CUET examination. The CUET score would determine the college and course Rohan could pursue. Rohan aspired to study BCA and knew he needed exceptional marks to secure admission into a reputable college. Recently, Rohan discovered that Raman had obtained an EWS (Economically Weaker Section) certificate to improve his chances of getting into a good college. The truth was that his best friend did not actually qualify for the EWS category. This revelation left Rohan deeply upset. When he confronted Raman about the situation, his friend justified his actions by emphasizing the intense competition and the need for an advantage. Raman tried to convince Rohan to also obtain an EWS certificate.

(250 Words) 20

(a) Discuss the ethical dilemma involved in the above-mentioned situation?

(b) Evaluate all the options available to you?

(c) Which option would you opt for and why?

समाज के संवेदनशील समुदाय

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के लिए 104th संविधान संशोधन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए प्रदत्त सुविधाओं का यदि गैर पात्र लोग लाभ उठाते हैं तो न्याय की अवधारणा तो असफल होगी ही। संविधान प्रदत्त समता का अधिकार का भी हनन होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

### नैतिक दुविधाएँ

⇒ रोहन रमन की शिकायत करे या फिर कृतज्ञता स्वरूप चुप रहे?

⇒ रोहन भी अनैतिक एवं गैरकानूनी तरीके से EWS प्रमाण पत्र हासिल करे अथवा नहीं?


Copyright – Drishti The Vision Foundation



### विकल्प

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

**विकल्प-1** रोहन भी रमन के ही रास्ते का अनुकरण कर गलत तरीके से EWS प्रमाण पत्र हासिल करे।

**लाभ**

⇒ रोहन को कम प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।

⇒ उसके उत्तीर्ण होने की संभावना बढ़ जाएगी।

⇒ रोहन एवं रमन की दोस्ती मजबूत होगी।

**हानि**

⇒ यह एक अनैतिक एवं गैरकानूनी कृत्य होगा।

⇒ हो सकता है रोहन की अंतरात्मा कभी इसे स्वीकार न करे।

**विकल्प-2** रोहन स्वयं यह लाभ न ले और न ही रमन की शिकायत करे।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

| लाभ | हानि |
|---|---|
| → रोहन कानूनी कार्यवाही से बच जाएगा। | → रोहन एक नागरिक की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं करेगा। |
| → उसका यह कृत्य उसकी अंतरात्मा को कम सकझोरेगा | |
| → मित्रता भी बनी रहेगी। | |

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विकल्प-3 रोहन रमन को EWS प्रमाणपत्र का लाभ न लेने के लिए अनुनयन करे साथ ही स्वयं भी इसका लाभ न ले।

| लाभ | हानि |
|---|---|
| → यह नैतिक एवं कानूनी रूप से उचित कृत्य | → रमन रोहन के अनुनयन को अस्वीकार सकता है। |


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उपरोक्त में मैं तीसरे विकल्प का चयन करता और यदि किसी भी प्रकार के अनुनयन को न स्वीकारता तो फिर उसे मैं कानूनी कार्यवाही की चेतावनी भी देता।

→ इससे EWS का लाभ उचित लोगों को मिलता।
→ मित्र को सही दिशा दिखाने के दायित्व की मैं पूर्ति कर पाता।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. भारत के एक पूर्वी राज्य में एक चार लेन का कंक्रीट पुल एक वर्ष में दूसरी बार ढह गया है। पुल की संरचनात्मक विफलता इस बात का उदाहरण देती है कि इंजीनियरिंग प्रथाओं में नैतिकता का उल्लंघन कैसे होता है। रवि एक प्रतिष्ठित संरचनात्मक इंजीनियर हैं और उसे परियोजना की जाँच के लिये नियुक्त किया गया है। योजनाओं और रेखाचित्रों की जाँच करने के बाद, उन्हें पता चला कि डिज़ाइन में एक बड़ी खामी थी। खामी के बारे में रिपोर्ट करने से भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति से बचा जा सकेगा लेकिन इससे निर्माण कंपनी की मान्यता प्रभावित होगी। साथ ही रवि को पता चला कि पुल का कार्य करने वाला ठेकेदार कोई और नहीं बल्कि उस इलाके के विधायक का छोटा भाई है। इस प्रकार, स्थिति की रिपोर्ट करने से उसके जीवन को कोई गंभीर खतरा हो सकता है। इस मामले में शामिल नैतिक मुद्दों का विश्लेषण करें। इस स्थिति में, रवि को आदर्श रूप से क्या करना चाहिये? क्या "त्रुटियाँ या विफलताएँ" सभी मामलों में मानव प्रगति के लिये स्वीकार्य हैं? (250 शब्द) 20

A four-lane concrete bridge in an eastern state in India has collapsed for the second time in just over a year. The structural failure of the bridge provides an example of how violation of ethics occurs in engineering practices. Ravi is a reputable structural engineer and has been appointed to investigate the project. After scrutinizing the plans and drawings, he finds that there was a major flaw in the design. Reporting about the flaw would save such a grave situation in the future but this would affect the recognition of the construction company. Also, Ravi found that the contractor working for the bridge is no one else but the younger brother of the MLA in that area. Thus, reporting the situation may cause some serious threat to his life. Analyse the ethical issues involved in this case. In this situation, what should Ravi ideally do? Are "errors or failures" acceptable price for human progress in all instances? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में बिहार में एक पुल का नदी की धारा में बह जाने का वीडियो तेजी से वायरल हुआ। वस्तुतः इस तरह की घटनाओं में डिजाइन त्रुटि, भ्रष्टाचार, प्रक्रियात्मक अनियमितता प्रमुख कारण होते हैं।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation



विविध हितधारक
- प्रशासन की छवि
- विधायक एवं उसका भाई
- स्थानीय लोग
- कंपनी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नैतिक मुद्दे
- निर्माण कार्यों में दक्ष कंपनियों को ठेके न मिलना।
- कंपनियों द्वारा डिजाइन का विशेषज्ञ अध्ययन न किया जाना।
- राजनीतिक गठजोड़ के माध्यम से ठेके दिए जाना।
- इस तरह की घटनाओं पर रिपोर्ट में लीपापोती करना और उचित कार्यवाही न हो पाना।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रवि को आदर्श रूप में क्या करना चाहिए

⇒ रवि को वस्तुनिष्ठ तरीके से रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए।

⇒ विधायक से संबंधित खतरे के मद्देनजर वह सरकार से सुरक्षा की मांग कर सकता है।

⇒ कंपनी की मान्यता का ~~[illegible]~~ परवाह किए बिना उसे सभी तथ्यों को उजागर करना चाहिए।

⇒ रवि को सत्यनिष्ठा, कर्तव्य चेतना एवं उत्तरदायित्व को सर्वाधिक महत्व देना चाहिए।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

त्रुटियाँ या विफलताएँ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ यदि जानबूझकर की गयी हैं तो ये अक्षम्य हैं क्योंकि जन-धन की इससे बर्बादी।

→ यदि आकस्मिक घटना / प्राकृतिक आपदा से ऐसा हुआ तो इसे स्वीकारा जा सकता है।

वस्तुतः त्रुटियों पर कार्यवाही सुनिश्चित कर उससे सीख ली जाय तो भविष्य में ऐसी स्थिति न बने।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)


Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. 21 वर्ष की उम्र में ही राधिका अपने असाधारण कुश्ती कौशल के कारण अपने गृह राज्य हरियाणा में काफी प्रसिद्ध हो गई। इसका पूरा श्रेय उसकी प्रतिभा और उसके माता-पिता द्वारा उसके सपनों को पूरा करने के लिये किये गए अनेकों बलिदानों को जाता है। अपनी माँ के कैंसर के इलाज के कारण उत्पन्न हुए वित्तीय संकट का सामना करने के बावजूद उसके पिता के अटूट दृढ़ संकल्प ने उसे एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने के लिये सबसे अधिक प्रेरित किया।

ओलंपिक खेलों का समय निकट आते देख राधिका ने दिल्ली में कुश्ती अकादमी में तकनीकी प्रशिक्षण लेने का निर्णय लिया। इस दिशा में उसके क्षेत्र के विधायक द्वारा इस प्रक्रिया में तेजी लाये जाने और अविलंब प्रशिक्षण शुरू कराये जाने की अनुमति से राधिका को बहुत मदद मिली। हालाँकि, अपने छोटे भाई और माँ की तबियत को देखते हुए वह अपने गृह ज़िले को छोड़ने को लेकर काफी चिंतित थी, परंतु उसके पिता ने उसे आश्वस्त किया कि वह नियमित रूप से उससे मिलने आया करेंगे और उसे सुझाव दिया कि वह घर की चिंता को छोड़कर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करे।

दिल्ली में कुश्ती अकादमी में राधिका ने कुश्ती क्षेत्र के एक प्रसिद्ध कोच/प्रशिक्षक से प्रशिक्षण लेना आरंभ किया। उनके मार्गदर्शन में उसके कौशल में काफ़ी सुधार हुआ। राधिका को उनके अधीन प्रशिक्षण ले रही अन्य प्रतिभाशाली महिला पहलवानों से मिलने का भी अवसर प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, कोच ने राधिका के प्रशिक्षण को बेहतर बनाने के लिये व्यक्तिगत रूप से अपने खर्च से कई उपकरण उपलब्ध कराए।

एक दिन, शाम को प्रशिक्षण खत्म करके लौटते समय राधिका को किसी के रोने की आवाज सुनाई दी। वह उसके पास गई और पाया कि यह एक नई प्रशिक्षु है और इसका नाम श्रुति है तथा वह एक नाबालिग भी है। उत्सुकतावश राधिका ने श्रुति की परेशानी का कारण जानने की बहुत कोशिश की, किंतु उसने कोई भी विवरण देने से इनकार कर दिया। अचानक उनका कोच आया और तेजी से श्रुति को लेकर चला गया। इस स्थिति से उत्पन्न भ्रम और अस्थिरता एवं श्रुति की दर्दनाक चीखें उसके दिमाग में घूमते रहने के कारण राधिका को उस रात नींद नहीं आई।

अगली रात, प्रशिक्षण के बाद लौटते समय, राधिका ने उसी लड़की को कोच के साथ देखा। इस दृश्य से परेशान होकर उसने इस बारे में अकादमी में अपने एक दोस्त से बात की। दोस्त ने उसे सतर्क रहने को कहा और यह भी सलाह दी कि वह इस विषय में और किसी से बात न करे। उसकी दोस्त ने आगे बताया कि कोच गरीब और वंचित पृष्ठभूमि की लड़कियों का यौन शोषण करता था। कई अन्य लड़कियों ने इस जानकारी की पुष्टि की थी।

यह सुनकर राधिका को बहुत हैरानी हुई और उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। कोच का उसके प्रति व्यवहार हमेशा ही सम्मानजनक रहा था और उन्होंने उसकी काफी मदद भी की थी। इसके अतिरिक्त, उनके कुछ राजनीतिक संबंध थे और उनके ज़िले के विधायक से उनकी करीबी दोस्ती थी। लड़कियों ने राधिका को अन्य के साथ हुई इसी प्रकार की कई घटनाओं के बारे में बताया, और यह भी बताया कि किस प्रकार जिन-जिन लकड़ियों ने आवाज उठाने की कोशिश की, उनका करियर नष्ट हो गया। अपनी सफलता के वर्तमान स्तर तक पहुँचने के लिये किये गए बलिदानों के विषय में राधिका भलीभाँति अवगत थी, साथ ही उसे अपनी वित्तीय स्थिति का भी आभास था। हालाँकि, वह एक बात अच्छे से जानती थी कि वह इस अन्याय को अनदेखा नहीं कर सकती।

(250 शब्द) 20

(a) इस मामले में कौन-कौन से हितधारक शामिल हैं?

(b) राधिका के लिये कार्रवाई की दिशा और उनके संभावित निहितार्थों की जाँच कीजिये।

(c) मूल्यांकन कीजिये कि भविष्य में कौन-सी कार्यवाही राधिका के लिये अधिक उपयुक्त होगी और क्यों।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)


Copyright – Drishti The Vision Foundation

Radhika, at the age of 21, became a sensation in her home district of Haryana due to her exceptional wrestling skills. Her talent propelled her to stardom, and her parents made significant sacrifices to fulfil her dreams. Despite facing financial distress, especially after her mother's cancer diagnosis, her father's unwavering determination pushed her to go to extreme lengths to win a medal at the Asian Championship.

With the Olympics looming, Radhika made the decision to take smart and technical training at the wrestling academy in Delhi. She was overjoyed when the MLA from her region expedited the process, allowing her to commence training immediately. However, concerns about leaving her home district arose since she had a younger brother and an ailing mother. Nonetheless, her father reassured her that he would visit regularly, urging her to concentrate on her games.

At the academy in Delhi, Radhika was assigned a renowned coach who held great prestige in the wrestling circle. Under his guidance, her skills improved significantly. She also had the opportunity to meet other talented female wrestlers who were training under him. They, too, were impressed by the coach's expertise. Additionally, the coach went above and beyond, personally providing equipment for Radhika from his own pocket to enhance her training.

One evening, upon returning from training, Radhika heard someone sobbing. She approached the source of the cries and discovered a new trainee named Shruti, a minor. Curious about the cause of Shruti's distress, Radhika inquired, but she refused to disclose any details. Suddenly, their coach arrived and swiftly took Shruti away. Confused and unsettled by the situation, Radhika found it difficult to sleep that night as Shruti's painful cries lingered in her mind.

The following night, while returning from training, Radhika spotted the same girl in the company of the coach. Troubled by this observation, she confided in a friend at the academy. The friend cautioned her to be cautious and advised against disclosing the information to anyone else. Upon further discussion, the friend revealed that the coach took advantage of girls from marginalized backgrounds in a sexual manner. Many other girls had corroborated this information.

Shocked to the core, Radhika was at a loss for what to do. The coach had always been respectful and helpful towards her. Moreover, he had political connections and was a close friend of the MLA from her district. The girls also shared stories of others who had tried to raise their voices and had their careers destroyed as a result. Radhika was aware of the sacrifices she had made to reach her current level of success, and the financial situation was far from ideal. However, she knew she couldn't let this injustice go unaddressed. (250 Words) 20

(a) Who are the different stakeholders involved in this case?

(b) Examine the courses of action for Radhika and their potential implications.

(c) Evaluate which future course of action would be more appropriate for Radhika and why.

कार्यस्थल पर महिलाओं का शोषण उनके सामाजिक-आर्थिक अवसरों को सीमित करने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास एवं नारी सशक्तीकरण के सभी प्रयासों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)


Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

को कमजोर करता है। भारत के खेलों में फिसड्डी होने का एक कारण महिलाओं की सीमित भागीदारी भी है।

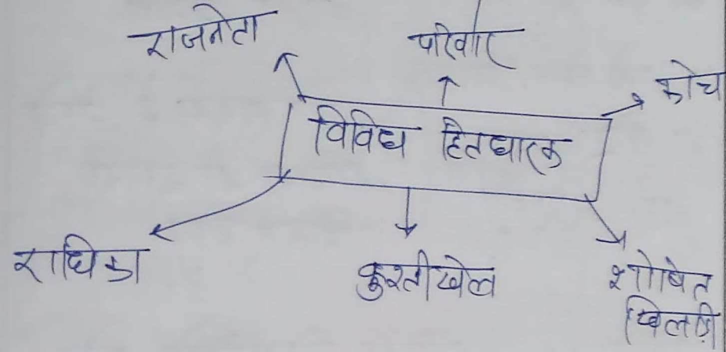


(राधिका के पास उपलब्ध विकल्प)

विकल्प-1)
↳ वह इन सब बातों पर मौन साध ले और अपने हितों को लक्षित करे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)


Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(लाभ)

- राधिका अपने पारिवारिक दायित्वों को पूर्ण कर सकेगी।
- उसके खेल / विकास में कोई रुकावट नहीं आएगी।

(हानि)

- अन्य खिलाड़ियों का यथावत शोषण होता रहेगा।
- हो सकता है आगे राधिका भी इसका शिकार हो।

विकल्प-2 :- राधिका खिलाड़ियों को इसकी शिकायत हेतु प्रोत्साहित करे किंतु स्वयं कुछ न करे।

(लाभ)

- खिलाड़ियों को मनोबल मिलेगा।
- राधिका किसी विपरीत स्थिति से बच जाएगी।

(हानि)

- राधिका एक नैतिक दायित्व का निर्वहन नहीं करेगी।
- यह उसकी 'अंतरात्मा' के विरुद्ध होगा।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

विकल्प-3. राधिका इस मुद्दे को सक्रियता से उठाने एवं सभी खिलाड़ियों को एकजुट कर पुलिस शिकायत करती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(लाभ)

- 'न्याय' सुनिश्चित होगा।
- ऐसे अपराधियों के शोषण-चक्र पर लगाम लगेगा।
- अन्य शोषित भी प्रेरित होकर अपनी बात रखेंगे।

(हानि)

- राधिका को पेशेवर नुकसान उठाना पड़ सकता है।
- राधिका को राजनीतिक एवं पारिवारिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

उपर्युक्त में तीसरा विकल्प उचित होगा क्योंकि

1) शोषण को बर्दाश्त करने का अर्थ होगा कि अंतरात्मा की आवाज के विरुद्ध जाना।

2) इससे [illegible] को [illegible] उठाने का अवसर भी मिलेगा।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. एक ज़िले में कई बच्चे मध्याह्न भोजन के दौरान दिये गए भोजन को खाने के बाद बीमार हो गए, जिसमें कथित तौर पर एक साँप था। भोजन तैयार करने के लिये ज़िम्मेदार स्टाफ सदस्य ने कहा कि छात्रों को भोजन परोसे जाने के बाद दाल के एक कंटेनर में एक साँप पाया गया। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि यह घटना उनकी लापरवाही के कारण नहीं हुई, बल्कि सरकार द्वारा संचालित विद्यालय प्रशासन की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से किसी बाह्य समूह द्वारा जानबूझकर की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप हुई है।

आप खंड विकास अधिकारी हैं और आपको ग्रामीणों से शिकायतें मिली हैं। वहाँ पहुँचने पर आप पाते हैं कि अभिभावकों ने विद्यालय कर्मचारी और शिक्षकों को घेर रखा है। उन्होंने विद्यालय की संपत्ति को भी नुकसान पहुँचाया है। विद्यालय कर्मचारी आपसे अनुरोध करता है कि जो रिपोर्ट आपको देनी है उसमें उसे बदनाम न करें क्योंकि उसकी नौकरी जा सकती है और वह अपने परिवार में एकमात्र कमाने वाला है। वहीं, ग्रामीण आपसे विद्यालय कर्मी को दंडित करने और त्वरित न्याय दिलाने की मांग करते हैं। (250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त मामले में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये।

(b) इस मामले में निहित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये।

(c) उपरोक्त स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

Several children in a district became sick after consuming the food provided to them during a mid-day meal, which reportedly contained a snake. The staff member responsible for preparing the meal stated that a snake was discovered in one of the lentil containers after the food was served to the students. However, he insisted that this incident occurred not due to his negligence, but rather as a result of deliberate actions by an external group aiming to tarnish the reputation of the government-run school administration.

You are the Block Development Officer and have received complaints from the villagers. As you reach there, you find that the guardians gheraoed the school staffer and teachers. They have also vandalized the school property. The school staffer requests you not to defame him in the report that you are supposed to submit as he may lose his job and he is the only earner in his family. On the other hand, the villagers demand you to punish the school staffer and deliver quick justice. (250 Words) 20

(a) Identify the stakeholders involved in the above case

(b) Discuss the ethical issues involved in this case.

(c) What steps would you take in the above situation?

मध्याह्न भोजन योजना में गुणवत्तापूर्ण एवं पोषक भोजन न मिलना बच्चों के गरिमापूर्ण जीवन के मौलिक अधिकार (Art - 21) के विरुद्ध है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation



विविध हितधारक

- शिक्षक एवं स्टाफ
- बच्चे एवं उनका परिवार
- मैं
- सार्वजनिक संपत्ति

नैतिक मुद्दे

- खाना बनाने में लापरवाही बरता जाना
- खाना बनने की जगह पर सुरक्षा सावधान न होना
- सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना
- निर्दोष पर कार्यवाही का दबाव भी बनाया जा सकता है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मेरा कदम

→ मैं एक जाँच समिति का गठन करूँगा जो सभी आरोपों की जाँच कर समयबद्ध रिपोर्ट दे।

→ साथ ही ग्रामीणों को कार्यवाही के प्रति पूर्ण आश्वस्त करूँगा।

→ बच्चों के उपचार का कुशलतम प्रबंध करवाऊँगा।

→ सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वालों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करवाऊँगा।

→ इस प्रक्रिया में स्थानीय पुलिस प्रशासन के साथ समन्वयपूर्ण कार्यवाही सुनिश्चित करूँगा।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ शिक्षकों या परिवार वालों की भावनात्मक अपीलों से प्रभावित हुए बिना तथ्यात्मक कार्यवाही करूँगा।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)





Copyright – Drishti The Vision Foundation

**Space for Rough Work**

**( रफ कार्य के लिये स्थान )**



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright – Drishti The Vision Foundation

## Space for Rough Work

## ( रफ कार्य के लिये स्थान )



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright – Drishti The Vision Foundation